



2026:AHC:22866

इलाहाबाद उच्च न्यायालय

रिट - बी संख्या – 419 / 2026

बृजभूषण व 2 अन्य

....याचिकाकर्ता (गण)

बनाम

उत्तर प्रदेश राज्य व 11 अन्य

.....प्रतिवादी (गण)

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता : महेश कुमार दुबे

प्रतिवादी के अधिवक्ता : सी.एस.सी., प्रदीप सिंह

न्यायालय संख्या - 54

माननीय न्यायमूर्ति दिनेश पाठक

1. पक्षकारों के विद्वान अधिवक्ता को सुना गया।

2. प्रस्तुत रिट याचिका, अन्य बातों के साथ-साथ, निम्नलिखित राहत की मांग करते हुए दायर की गई है:-

“परमादेश की प्रकृति में एक रिट, आदेश या निर्देश जारी करें, जिसके द्वारा प्रतिवादी संख्या 2, अर्थात चकबंदी अधिकारी मतेह, मिर्जापुर को उत्तर प्रदेश जोत चकबंदी अधिनियम, 1953 की धारा 9(ए)(2) के तहत मामला संख्या 21 / 2025 (बृजभूषण व अन्य बनाम राज्य व अन्य), जो वर्ष 2021 से प्रतिवादी संख्या 2 के समक्ष लंबित है, को इस माननीय न्यायालय द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर तय करने का निर्देश दिया जाए।”

3. विद्वान स्थायी अधिवक्ता को इसमें कोई आपत्ति नहीं है, यदि उपरोक्त मामले को शीघ्रता से तय करने का निर्देश जारी किया जाता है।

4. उपरोक्त परिप्रेक्ष्य में, इस मामले को लंबित रखने का कोई उपयोगी उद्देश्य सिद्ध नहीं होगा, इसलिए यह न्यायालय रिट याचिका में वर्णित मामले के गुणों पर कोई टिप्पणी किए बिना, वर्तमान रिट याचिका को अंतिम रूप से निस्तारित करना उचित समझता है। प्रतिवादी संख्या 2 को निर्देशित किया जाता है कि वे संबंधित पक्षकारों को सुनवाई का अवसर प्रदान करते हुए और किसी भी पक्षकार को अनावश्यक स्थगन दिए बिना, कानून के अनुसार एक सकारण और सुस्पष्ट आदेश के माध्यम से, इस आदेश की प्रमाणित प्रति प्रस्तुत होने की तिथि से आठ महीने की अवधि के भीतर उक्त मामले को शीघ्रता से तय करें।

5. उपरोक्त निर्देश के साथ, यह याचिका अंतिम रूप से निस्तारित की जाती है।

3 फरवरी, 2026

वी.आर.

(दिनेश पाठक, जे.)

अस्वीकरण

“अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।”



Translated version. Not for Legal Use.

अस्वीकरण

"अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।"